कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

संक्षिप्त–परिचय

- जन्म- 29 मई, 1906 ई०।
- जन्म- स्थान - देवबन्द (सहारनपुर)
- पिता- पं० रमादत्त मिश्र।
- सम्पादन- 'ज्ञानोदय', 'नया जीवन', 'विकास'।
- भाषा : तत्सम प्रधान, शुद्ध और साहित्यिक खड़ी बोली।
- शैली : भावात्मक, वर्णनात्मक, नाटकीय।
- प्रमुख रचनाएँ- आकाश के तारे, धरती के फूल, माटी हो गयी सोना, जिन्दगी मुस्कराई।
- मृत्यु- १ मई, सन् 1995 ई०।

साहित्यिक परिचय -

कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर का जन्म 29 मई, सन् 1906 ई. में देवबंद सहारनपुर में एक साधारण ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता का नाम रामदत्त मिश्र था। प्रारंभिक शिक्षा ठीक प्रकार नहीं हो पाई। इन्होंने खुर्जा के एक संस्कृत पाठशाला में शिक्षा प्राप्त की। राष्ट्रीय नेता आसिफ अली का भाषण सुना तथा प्रभावित होकर आंदोलन में कूद पड़े। कई बार जेल यात्राएं भी करनी पड़ी स्वतंत्रता के पश्चात पत्रकारिता में लग गए एवं साहित्य की सेवा करते हुए सन 1995 ई० में पंचतत्व में लीन हो गए।

प्रभाकर जी रिपोर्ताज लेखन, निबंध लेखन एवं संस्मरण लेखन में सिद्धहस्त थे। कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर जी ने 'नया जीवन' एवं 'विकास' नामक दो प्रसिद्ध समाचार पत्रों का संपादन किया 'महके आंगन चहके द्वार' उनकी एक महत्वपूर्ण कृति है। प्रभाकर जी के कुल 9 ग्रंथ प्रकाशित हुए हैं।

कृतियाँ – कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर जी की प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं।

- रेखाचित्र : 'नई पीढ़ी के विचार', 'जिन्दगी मुस्कराई', 'माटी हो गयी सोना', 'भूले-बिसरे चेहरे'।
- लघु कथा : 'आकाश के तारे', 'धरती के फूल'।
- संस्मरण : 'दीप जले शंख बजे'।
- ललित निबन्ध : 'क्षण बोले कण मुस्काए', 'बाजे पायलिया के घुंघरू'।
- संपादन : इन्होंने 'नया जीवन' और 'विकास' नामक दो समाचार पत्रों का संपादन किया।
- अन्य विशिष्ट रचनाएँ: 'महके आँगन चहके द्वार' इनकी एक महत्त्वपूर्ण कृति है।